



# सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

पत्रांक: एस.एस.वि.वि./कु.स. 4675/2021

दिनांक: 28 जनवरी, 2021

## कार्यालय-ज्ञाप

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विभिन्न प्रकोष्ठ स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में शासन के पत्रांक : 142/सत्तर-3-2021-08(35)/2020 टी.सी.1 दिनांक 15 जनवरी, 2021 के क्रम में कुलपति महोदय के आदेश दिनांक 23.01.2021 द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विश्वविद्यालय में अधोलिखित प्रकोष्ठों की स्थापना की जाती है।

<b>उद्योग-अकादमिक एकीकरण एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ</b> <b>Industry Academia Integration and Skill Development Cell</b>	<b>दिव्यांग सहायता एवं वंचित समूह सहायता योजना प्रचार-प्रसार प्रकोष्ठ</b> <b>Cell of differently abled students and SEDGs</b>
1. प्रो. हरिशंकर पाण्डेय - अध्यक्ष	1. प्रो. शैलेश कुमार मिश्र - अध्यक्ष
2. प्रो. सुधाकर मिश्र - सदस्य	2. प्रो. ललित कुमार चौबे - सदस्य
3. प्रो. राजनाथ - सदस्य	3. डॉ. दिव्य चेतन ब्रह्मचारी - सदस्य
4. डॉ. कुंजबिहारी द्विवेदी - सदस्य	4. श्री प्रेम चन्द्र मिश्र - सदस्य
5. श्री चन्द्रनाथ मिश्र - संयोजक	5. श्री सुनील कुमार - संयोजक
<b>शिक्षक प्रशिक्षण प्रकोष्ठ</b> <b>Teacher's Re-skilling Cell</b>	<b>अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ</b> <b>Research Development Cell</b>
1. प्रो. प्रेमनारायण सिंह - अध्यक्ष	1. प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी - अध्यक्ष
2. प्रो. हीरककान्ति चक्रवर्ती - सदस्य	2. डॉ. शरद कुमार नागर - सदस्य
3. डॉ. रविशंकर पाण्डेय - सदस्य	3. डॉ. ज्ञानेन्द्र सापकोटा - सदस्य
4. डॉ. राजा पाठक - सदस्य	4. डॉ. मनोज कुमार मिश्र - सदस्य
5. श्री केश लाल - संयोजक	5. श्री कपिल किशोर लाल - संयोजक
<b>संस्थागत विकास योजना प्रकोष्ठ</b> <b>Institutional Development Plan (IDP) Cell</b>	<b>एक्टिविटी क्लब</b> <b>Activity-Club</b>
1. प्रो. राम किशोर त्रिपाठी - अध्यक्ष	1. प्रो. रामपूजन पाण्डेय - अध्यक्ष
2. प्रो. प्रेमनारायण सिंह - सदस्य	2. प्रो. विधु द्विवेदी - सदस्य
3. प्रो. शैलेश कुमार मिश्र - सदस्य	3. डॉ. विजय कुमार पाण्डेय - सदस्य
4. डॉ. रविशंकर पाण्डेय - सदस्य	4. डॉ. विद्या कुमारी चन्द्रा - सदस्य
5. श्री सुनील कुमार - संयोजक	5. श्री चन्द्रनाथ मिश्र - संयोजक
<b>भारतीय भाषा, संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ</b> <b>Indian Language Culture and Arts Cell</b>	<b>अंतर्राष्ट्रीय छात्र सहायता प्रकोष्ठ</b> <b>International Student Cell</b>
1. प्रो. कृष्णचन्द्र दूबे - अध्यक्ष	1. प्रो. रमेश कुमार द्विवेदी - अध्यक्ष
2. प्रो. दुर्गानन्दन प्रसाद तिवारी - सदस्य	2. प्रो. रमेश कुमार - सदस्य
3. डॉ. विजय कुमार पाण्डेय - सदस्य	3. डॉ. रविशंकर पाण्डेय - सदस्य
4. डॉ. कुप्पा श्रीगुरु विल्वेश - सदस्य	4. डॉ. मधूसूदन मिश्र - सदस्य
5. श्री केश लाल - संयोजक	5. श्री केश लाल - संयोजक

ऑनलाइन शिक्षा एवं LMS प्रकोष्ठ Online Education and LMS Cell		मेन्टरिंग एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रकोष्ठ Mentoring and Counselling Cell	
1. प्रो. जितेन्द्र कुमार	- अध्यक्ष	1. प्रो. प्रेमनारायण सिंह	- अध्यक्ष
2. प्रो. अमित कुमार शुक्ला	- सदस्य	2. प्रो. हीरककान्ति चक्रवर्ती	- सदस्य
3. डॉ. दिनेश कुमार गर्ग	- सदस्य	3. प्रो. शैलेश कुमार मिश्र	- सदस्य
4. डॉ. मधूसूदन मिश्र	- सदस्य	4. प्रो. राजनाथ	- सदस्य
5. डॉ. विजय कुमार मणि त्रिपाठी	- सदस्य	5. प्रो. ब्रजभूषण ओझा	- सदस्य
6. श्री केश लाल	- संयोजक	6. डॉ. रविशंकर पाण्डेय	- सदस्य
		7. कुलसचिव	- संयोजक



प्रकोष्ठ के समस्त अध्यक्षों से अनुरोध है कि शासनादेशानुसार प्रकोष्ठ से सम्बन्धित कार्यों पर (संलग्न) कार्यवाही सुनिश्चित कराते हुए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर सिस्टम मैनेजर के माध्यम से नियमित रूप से प्रदर्शित/अपलोड कराने का कष्ट करें, साथ ही अद्यतन स्थिति से शासन को अवगत कराने हेतु अधोहस्ताक्षरी को कृत कार्यवाही की सूचना उपलब्ध कराने का कष्ट करें, जिससे शासन को अवगत कराया जा सके।

संलग्नक- यथोक्त।

  
कुलसचिव  
सं.सं.वि.वि., वाराणसी  


प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

1. सचिव, कुलपति को माननीय कुलपति जी के अवलोकनार्थ।
2. अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा अनुभाग-3, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, वाराणसी।
4. समस्त प्रकोष्ठ के अध्यक्षगण, सदस्यगण एवं संयोजकगण।
5. सहायक कुलसचिव (प्रशासन)।
6. आशुलिपिक, कुलसचिव/वित्त अधिकारी।
7. प्रबन्धक/प्राचार्य, समस्त सम्बद्ध संस्कृत महाविद्यालयों को इस आशय से कि शासन द्वारा दिये गये निर्देशानुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु महाविद्यालय में विभिन्न प्रकोष्ठ स्थापित कर कार्यवाही सुनिश्चित करायें।
8. सिस्टम मैनेजर को इस आशय से कि अध्यक्ष, प्रकोष्ठ से प्राप्त सूचना/कार्यवाही को विश्वविद्यालयीय वेबसाइट पर अपलोड कराने तथा उक्त कार्यालय-ज्ञाप, समस्त सम्बद्ध संस्कृत महाविद्यालयों को उनके लागिण आई.डी. के माध्यम से प्रेषित कराना सुनिश्चित करायें।
9. सम्बद्ध पत्रावली।

  
कुलसचिव  
सं.सं.वि.वि., वाराणसी  


प्रेषक,

मोनिका एस. गर्ग  
अपर मुख्य सचिव  
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1- निदेशक,  
उच्च शिक्षा, उ०प्र०,  
प्रयागराज।

2- कुलपति,  
समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालय,  
उत्तर प्रदेश।

उच्च शिक्षा अनुभाग-3

लखनऊ: दिनांक: 15 जनवरी, 2021

**विषय:** राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विभिन्न प्रकोष्ठ स्थापित किये जाने के सम्बंध में।

**महोदय**

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में संलग्न सूची के अनुसार प्रकोष्ठों की स्थापना कर नीति में दिये गये प्रावधानों के अर्न्तगत उनका संचालन सुनिश्चित किया जाये। अनुरोध है कि सभी प्रकोष्ठों की स्थापना, संरचना एवं उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों को विश्वविद्यालय/महाविद्यालय की वेबसाईट पर नियमित रूप से प्रदर्शित करें तथा अद्यतन स्थिति से शासन को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

**संलग्नक:- यथोपरि।**

भवदीया,

( मोनिका एस. गर्ग )  
अपर मुख्य सचिव।

**संख्या- 142 (1) / सत्तर-3-2021-तददिनांक:**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- (1) कुलसचिव, समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश।
- (2) समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, उत्तर प्रदेश।

आज्ञा से,

( हरेन्द्र कुमार सिंह )  
उप सचिव।

नांक	प्रकोष्ठ का नाम	कार्य
1	उद्योग-अकादमिक एकीकरण एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ (Industry-Academia Integration and Skill Development Cell)	<ul style="list-style-type: none"> <li>● माध्यमिक, पोलीटेक्निक, आई.टी.आई के साथ उच्च शिक्षा का समन्वय स्थापित करना</li> <li>● व्यवसायिक एवं कौशल शिक्षा के क्षेत्रों की पहचान करना</li> <li>● व्यवसायिक एवं कौशल शिक्षा के प्रायोगिक भाग/इंटरशिप के लिये MoU करना</li> <li>● कौशल विकास के लिये स्थानीय उद्योगों के साथ मिलकर पाठ्यक्रम तैयार करना</li> <li>● स्थानीय व्यवसायिक एवं कौशल शिक्षा के क्षेत्रों से छात्रों को अवगत कराना</li> <li>● छात्रों को आनलाईन व्यवसायिक एवं कौशल शिक्षा कोर्स करने के लिये मदद करना</li> <li>● क्षेत्रीय उद्योगों/संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर MoU करना</li> <li>● क्षेत्रीय उद्योगों/संस्थाओं की पहचान कर अध्ययनरत विद्यार्थियों को इंटरशिप हेतु उनमें भेजना</li> <li>● संस्था के समझौता-ज्ञापन (MoU) का ड्राफ्ट तैयार करना</li> <li>● संस्था के हित में विभिन्न प्रकार के समझौता-ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर करना</li> <li>● समझौता-ज्ञापन (MoU) की क्रियाशीलता सुनिश्चित करना</li> </ul>
2	ऑनलाइन शिक्षा एवं LMS प्रकोष्ठ (Online Education and LMS Cell)	<ul style="list-style-type: none"> <li>● संस्था में उ0प्र0 ऑनलाइन शिक्षा नीति के अनुरूप विभिन्न कार्य करना</li> <li>● विभिन्न ऑनलाइन पाठ्यक्रमों से छात्रों को अवगत कराना तथा उसके लिये उन्हें प्रेरित करना</li> <li>● संस्था का LMS तैयार कर उसका संचालन सुनिश्चित करना</li> <li>● संस्था के समस्त कार्यालयी कार्यों को डिजिटल माध्यम से कराना</li> <li>● पुस्तकालय में प्री-लोडेड टैब्स उपलब्ध करवाना</li> <li>● संस्थान में ई-लर्निंग पार्क की स्थापना करवाना</li> <li>● अपने क्षेत्रान्तर्गत अथवा संस्था के अंदर पी.पी.पी के आधार पर ई-सुविधा केन्द्र की स्थापना करना जिससे छात्रों को न्यूनतम दर पर 24x7 कम्प्यूटर एवं इंटरनेट की सुविधा प्राप्त हो सके</li> <li>● ई-सुविधा केन्द्र के विभिन्न कार्यों की दर सुनिश्चित करना (कैन्टीन की तरह) जिससे छात्रों को शोषण से बचाया जा सके</li> <li>● ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के क्रेडिट ट्रांसफर में छात्रों की मदद करना</li> </ul>
3	शिक्षक प्रशिक्षण प्रकोष्ठ (Teachers' Re-skilling Cell)	<ul style="list-style-type: none"> <li>● शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का वार्षिक कैलेण्डर तैयार कराना</li> <li>● शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना</li> <li>● शिक्षकों को विभिन्न प्रकार के क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं</li> </ul>

		<p>अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम से अवगत कराना</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● भविष्य में प्रयोग होने वाली शिक्षण तकनीकी से शिक्षकों को अवगत कराना</li> </ul>
4	अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ (Research Development cell)	<ul style="list-style-type: none"> <li>● उच्च गुणवत्ता के शोध हेतु दिशा-निर्देश तैयार करना</li> <li>● शिक्षकों/विद्यार्थियों को शोध योजना बनाने में मदद करना</li> <li>● विभिन्न प्रकार की शोध अनुदान योजनाओं से शिक्षकों/विद्यार्थियों को अवगत कराना</li> <li>● शोध हेतु उद्योगों/अन्य शिक्षण संस्थानों के साथ अनुबन्ध करना</li> <li>● राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर द्विपक्षीय शोध करना</li> <li>● शोध हेतु कार्यशालाओं का आयोजन करना</li> </ul>
5	संस्थागत विकास योजना प्रकोष्ठ Institutional Development Plan (IDP) Cell	<ul style="list-style-type: none"> <li>● संस्था के लघु एवं दीर्घ उद्देश्यों (Annual, Five year plan upto 15 years) पर आधारित " संस्थागत विकास योजना" तैयार करना</li> <li>● संस्था की IIC स्थापित करना</li> <li>● भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुरूप संस्था का IIC पर पंजीकरण सुनिश्चित करना तथा उसके अनुरूप कार्य करना</li> <li>● संस्था का ARIIA में प्रतिभाग सुनिश्चित करना</li> <li>● संस्थान, शिक्षक एवं छात्र मूल्यांकन के लिये नीति तैयार करना तथा उसके अनुरूप सतत मूल्यांकन करना</li> <li>● संस्था का NIRF में प्रतिभाग कराना</li> </ul>
6	एक्टिविटी क्लब (Activity-Club)	<ul style="list-style-type: none"> <li>● संस्था में विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ आयोजित करना तथा संस्था के छात्रों को क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हो रही गतिविधियों में प्रतिभाग करने के लिये प्रेरित करना।</li> <li>● संस्था के छात्रों को सामुदायिक सेवा के लिये प्रेरित करना</li> <li>● सामुदायिक सेवा हेतु वार्षिक कैलेंडर तैयार करना</li> <li>● संस्थान द्वारा किसी गांव को गोद लेकर उसके विकास में मदद करना</li> <li>● पर्यावरण जागरूकता एवं संरक्षण अभियान चला कर विद्यार्थियों/स्थानीय लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना</li> <li>● संस्था की वार्षिक ग्रीन आडिट रिपोर्ट तैयार कर उसे वेबसाइट पर प्रदर्शित करना</li> <li>● संस्था के अंदर पर्यावरण संरक्षण (रेन वाटर हार्वेस्टिंग, अक्षय उर्जा, वर्मीकम्पोस्ट, जल संरक्षण, पेपर री-साईक्लिंग आदि ) के उपाय करना</li> <li>● संस्था के विद्यार्थियों के लिये भ्रमण कार्यक्रम आयोजित करना</li> <li>● विद्यार्थी भ्रमण के लिये विभिन्न सरकारी/गैर-सरकारी योजनाओं से छात्रों को अवगत कराना तथा उसका लाभ लेना</li> </ul>

	<p>भारतीय भाषा, संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ (Indian Language, Culture and Arts Cell)</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● क्षेत्रीय संस्कृति एवं कला की पहचान कर उन पर कार्यक्रम आयोजित करना</li> <li>● क्षेत्रीय संस्कृति एवं कला को पाठ्यक्रम से जोड़ना</li> <li>● क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संस्कृति एवं कला महोत्सवों में छात्रों को प्रतिभाग कराना</li> <li>● क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संस्कृति एवं कला महोत्सव आयोजित करना</li> <li>● भारतीय भाषा विकास क्लब की स्थापना करना तथा इससे विभिन्न भारतीय भाषा जानने वाले शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को जोड़ना</li> <li>● छात्रों को विभिन्न भारतीय भाषाओं को ऑनलाइन/ऑफलाइन माध्यम से सीखने में मदद करना</li> </ul>
8	<p>अंतरराष्ट्रीय छात्र सहायता प्रकोष्ठ (International students Cell)</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● अन्तरराष्ट्रीय छात्रों की सहायता करना</li> <li>● सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय छात्रों को दी जा रही सुविधाओं से अवगत कराना</li> <li>● अध्ययन वीजा दिलाने में मदद करना</li> <li>● वेबसाइट पर अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिये FAQ अपलोड कराना</li> </ul>
9	<p>दिव्यौग सहायता एवं वंचित समूह सहायता योजना प्रचार-प्रसार प्रकोष्ठ Cell for differently abled students and SEDGs</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● वंचित समूहों को संस्था की विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभाग करने के लिये प्रेरित करना</li> <li>● वंचित समूहों के लिये हेल्प-डेस्क की स्थापना करना</li> <li>● वंचित समूहों के लिये चल रही योजनाओं से उन्हें अवगत कराना तथा योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में उनकी मदद करना</li> <li>● दिव्यौगों के लिये हेल्प-डेस्क की स्थापना करना</li> <li>● संस्था में दिव्यौग आवश्यकताओं को सुनिश्चित करना</li> <li>● दिव्यौगों के लिये आवश्यक कार्य कराने हेतु संस्था प्रमुख को अवगत कराना</li> <li>● दिव्यौगों के लिये चल रही योजनाओं से उन्हें अवगत कराना तथा योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में उनकी मदद करना</li> </ul>
10	<p>मेन्टरिंग एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रकोष्ठ (Mentoring and Counselling cell)</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>● संस्था के छात्रों के लिये मनोवैज्ञानिक परामर्श कार्यशालायें आयोजित करना</li> <li>● मनोवैज्ञानिक समस्याओं से जूझ रहे छात्रों को मनोवैज्ञानिक मदद देना तथा उनके परिवार को अवगत कराना</li> <li>● प्रत्येक छात्र के लिये प्रवेश के समय एक शिक्षक को मेंटर नियुक्त करना</li> <li>● संस्था की मेंटर-मेंटी पॉलिसी तैयार करना</li> <li>● छात्रों को व्यवसायिक सहायता देना</li> <li>● छात्रों के व्यक्तित्व विकास में मदद करना</li> <li>● छात्रों में जीवन कौशल एवं व्यक्तित्व विकास के लिये कार्यक्रम आयोजित करना</li> </ul>